**भारत सरकार**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं0 1094**

**दिनांक 19 दिसम्‍बर, 2018**

 **तेल बास्केट के औसत में गिरावट**

**1094. श्री नरेश गुजरालः**

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि अक्तूबर, 2018 में देश के तेल बास्केट के औसत में 4.74 प्रतिशत की गिरावट आयी जबकि अक्तूबर, 2018 में पेट्रोल पम्प में इसके विक्रय की कीमत में केवल 2.14 प्रतिशत की गिरावट आयी; और

(ख) यदि हां, तो तेल कंपनियों द्वारा उपभोक्ताओं को कम लाभ दिये जाने के क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री**

**(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)**

(क) और (ख): दिनांक 01 अक्‍तूबर, 2018 और दिनांक 01 नवंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार कच्‍चे तेल की भारतीय बास्केट के मूल्‍य और  दिल्‍ली में पेट्रोल/डीजल का खुदरा बिक्री मूल्‍य निम्‍नानुसार है :-

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **विवरण** | **कच्‍चे तेल की भारतीय बास्केट** | **पेट्रोल** | **डीजल** |
|  | डॉलर/बीबीएल | रुपए/लीटर |
| दिनांक 01 अक्‍तूबर, 2018 की स्थिति के अनुसार मूल्‍य | 82.14 | 83.73 | 75.09 |
| दिनांक 01 नवंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार मूल्‍य | 73.09 | 79.37 | 73.78 |

सरकार ने पेट्रोल और डीजल के मूल्‍यों को क्रमश: दिनांक 26.06.2010 और 19.10.2014 से बाजार निर्धारित बना दिया है। तब से, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कं‍पनियां (ओएमसीज) अंतर्राष्‍ट्रीय उत्पाद मूल्‍यों तथा अन्‍य बाजार दशाओं के अनुसार पेट्रोल और डीजल के मूल्‍य निर्धारण के संबंध में उपयुक्‍त निर्णय लेती हैं। ओएमसीज ने मूल्‍यों को केवल बढ़ाया ही नहीं है अपितु तदनुसार घटाया भी है।

पेट्रोलियम उत्‍पादों के मूल्य अंतर्राष्‍ट्रीय बाजार में संबंधित उत्‍पादों के मूल्‍य से जुड़े हुए हैं और कच्चे तेल के मूल्‍यों से जुड़े हुए नहीं है। तेल विपणन कंपनियां अंतर्राष्‍ट्रीय उत्पाद मूल्यों, विनिमय दर, कर संरचना, अंतर्देशीय भाड़ा और अन्य लागत घटकों सहित विभिन्‍न पहलुओं पर विचार करने के पश्‍चात खुदरा बिक्री मूल्‍य के संबंध में निर्णय लेती हैं और मूल्य निर्धारण का सूत्र पेट्रोल और डीजल की मूल्‍य संरचना में प्रमुख लागत घटकों के 15 दिन के परिवर्तनशील औसत पर आधारित है।

\*\*\*